Toppersnotes
Unleash the topper in you

MP-TET

शिक्षक पात्रता परीक्षा

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

प्राथमिक स्तर

भाग – 1

बाल विकास एवं शिक्षण विधि, पर्यावरणीय अध्ययन, सामान्य हिंदी

SIERRA INNOVATIONS

बाल विकास एवं अध्ययन

1. शिक्षा मनोविज्ञान 1
2. अधिगम (सीखना) 6
3. बाल विकास 18
4. व्यक्तित्व 27
5. बुद्धि 36
6. अभिप्रेरणा 43
7. व्यक्तिगत विभिन्नता 47
8. Trick – 53
   - बुद्धि के सिद्धांत
   - बाल विकास
9. समाजीकरण 59
10. One Linear Question 61
11. Pschology की Books और उनके लेखक 80
12. मनोविज्ञान के सिद्धांत व प्रतिपादक 83
13. शिक्षण विधियाँ 87

पर्यावरणीय अध्ययन

1. पर्यावरणीय अध्ययन 90
2. जैव मण्डल 95
3. पारितंत्र 96
4. नदियां 98
5. आश्रय 100
6. यातायात 102
7. जल 103
8. पर्यावरणीय प्रदूषण 105
9. ग्रीन हाउस प्रभाव 108
10. परिवार 109
11. खाद्य और पोषण 110
12. वनस्पति और वन्यजीव पर आधारित नोट्स 115

13.खेल 128
14.One lines fact. 130
15.महत्वपूर्ण दिवस 147

हिन्दी

हिन्दी व्याकरण

1. हिन्दी भाषा 149
2. हिन्दी साहित्य 150
3. वर्णमाला 159
4. विराम चिन्ह 166
5. शब्द भेद 167
6. संधि 176
7. समास 185
8. संज्ञा से अव्यय तक 190
9. अलंकार 200
10. रस 206
11. छन्द 211
12. पर्यायवाची शब्द 215
13. विलोम शब्द 217
14. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 219
15. वर्तनी 222
16. प्रमुख लेखक व उनकी रचनाएँ 224
17. मुहावरे एवं लोकोक्ति 230

भाषा विकास का अध्यापन

1. भाषा अधिगम एवं अर्जन 261
2. भाषा कौशल 267
3. शिक्षक सहायक सामाग्री 271
4. उपचारात्मक शिक्षण 272

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Unit-1

शिक्षा मनोविज्ञान

- Psychology शब्द की उत्पत्ति (गैरेट के अनुसार) ग्रीक/लैटिन भाषा के दो शब्द Psyche + Logos से हुई।

अर्थ

Psyche - आत्मा
Logos - अध्ययन करना

★ 16 वीं शताब्दी में सर्वप्रथम प्लेटो, अरस्तू तथा डेकार्टे ने मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान माना।

★ 17 वीं शताब्दी में इटली के मनोवैज्ञानिक पॉम्पोनॉजी व सहयोगी थासडरीड ने मनोविज्ञान को मन या मस्तिष्क का विज्ञान माना।

★ 19 वीं शताब्दी में विलियम वुण्ट, विलियम जेम्स, जेम्सली टिचनर, वाइत्स आदि के द्वारा मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान माना।

★ 20 वीं शताब्दी में मनोवैज्ञानिक वाटसन, वुडवर्थ, स्किनर मैकडूगल व थार्नडाइक आदि ने मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना।

Note - विलियम वुण्ट ने जर्मनी के लिपजिंग शहर में 1879 को प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला, भारत में 1915 कलकत्ता में सेन गुप्त द्वारा प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित की इसलिए विलियम वुण्ट को 'प्रयोगात्मक मनोविज्ञान' का जनक माना जाता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

परिभाषाएँ

1) जे. एस. रॉस के अनुसार, "पहले मनोविज्ञान का अर्थ आत्मा से लगाया जाता था परन्तु यह परिभाषा अस्पष्ट है क्योंकि हम इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकते कि 'आत्मा क्या है?' अतः 16 वीं शताब्दी में मनोविज्ञान का अर्थ अस्वीकार कर दिया।

2) पिल्सबरी के अनुसार, "मनोविज्ञान की सबसे संतोषजनक परिभाषा मानव व्यवहार के विज्ञान के रूप में की जा सकती है।

"Psychology may most satisfactorily defined as the science of human behavior."

3) वुडवर्थ के अनुसार —

1) मनोविज्ञान व्यक्ति के पर्यावरण के सम्बन्ध में व्यक्ति की क्रियाओं का विज्ञान है।

Psychology is the science of the activities of the individual in relation to environment.

2) "मनोविज्ञान के सर्वप्रथम अपनी आत्मा का त्याग किया। फिर मन व मस्तिष्क का त्याग किया फिर उसने अपनी चेतना का त्याग किया और वर्तमान में मनोविज्ञान व्यवहार के विधि स्वरूप को स्वीकार करता है।"

4) मैक्डूगल के अनुसार — मनोविज्ञान व्यवहार व आचरण का विज्ञान है।

Psychology is a positive science of the conduct or behavior.

5) वाटसन का कथन –1) " तुम मुझे एक बालक दो मैं उसे वो बना सकता हूँ जो मैं बनाना चाहता हूँ।"

2) मनोविज्ञान व्यवहार का शुद्ध, निश्चित, सकारात्मक, धनात्मक विज्ञान है।

6) स्किनर के अनुसार –

1) मनोविज्ञान व्यवहार व अनुभव का विज्ञान है।

2) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापकों की तैयारी की आधारशिला है।

7) क्रो एवं क्रो के अनुसार – मनोविज्ञान मानव व्यवहार और मानव सम्बन्धों का अध्ययन है।

8) N.L. मन के अनुसार –

1) मनोविज्ञान मनुष्य के अनुभव के आधार पर व्याख्या किए गए आन्तरिक अनुभव तथा बाह्य व्यवहार का विधायक विज्ञान है।

Psychology is a positive science of experience and behavior interpreted in terms of experience.

2) आधुनिक मनोविज्ञान का सम्बन्ध व्यवहार की वैज्ञानिक खोज है।

9) R.H. थाउलैस के अनुसार – मनोविज्ञान मानव अनुभव एवं व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है।

Psychology is the positive science of human experience and behavior.

10) गार्डनर मर्फी के अनुसार – मनोविज्ञान वह विज्ञान है जिसमें जीवित प्राणियों की उन क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है जिनको हम वातावरण के प्रति तैयार करते हैं।

11) बोरिंग के शब्दो में — ~~मानव~~ मनोविज्ञान मानव प्रकृति का अध्ययन है।

12) वारेन के अनुसार — मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो एक प्राणी और परिवेश में सरोकार रखता।

Psychology is the science which deals with the mutual interrelation between an organism and environment.

Points to Remember of Educational psychology

★ मनोविज्ञान शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम रुडोल्फ गोयकल को जाता है।

★ प्रथम शैक्षिक मनोवैज्ञानिक थार्नडाइक को माना जाता है।

★ शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण का सूत्रपात रुसो ने किया। उन्होने अपनी पुस्तक E-mail में लिखा है — शिक्षा संस्कृत के शिक्ष् धातु से बना।

Definitions :

1) स्किनर के अनुसार — 'मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।'

2) क्रो एण्ड क्रो के अनुसार — शिक्षा मनोविज्ञान जन्म से वृद्धावस्था तक एक व्यक्ति के सीखने के अनुभवों का वर्णन और व्याख्या करता है।

3) फ्रोबेल के अनुसार — शिक्षा एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक बालक अपनी जन्मजात शक्तियों का विकास करता है।

4) रुसो के अनुसार — बालक एक पुस्तक के समान है जिसका अध्ययन प्रत्येक अध्यापक को करना चाहिए।

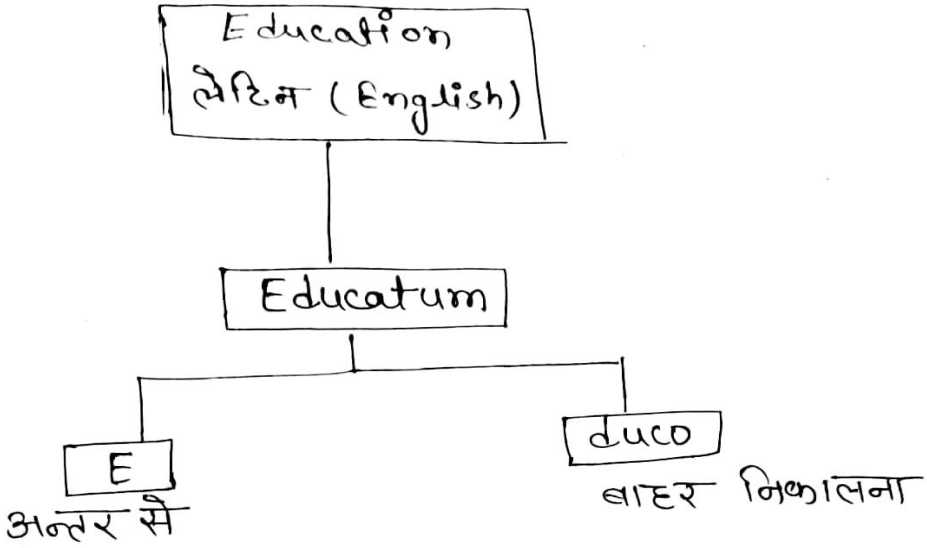

Education शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के दो अन्य शब्दों से भी मानी जाती है।

1) Educare (अर्थ – पालन पोषण करना)

2) Educere (अर्थ - आगे बढ़ाना)

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति –

1) शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है।

2) इसमें नियम व सिद्धान्त का प्रयोग किया जाता है। जो कि सार्वभौमिक होते हैं।

3) शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहार का वैज्ञानिक अध्ययन करता है।

4) शिक्षा मनोविज्ञान एक सकारात्मक (विधायक) विज्ञान है।

पर्यावरणीय अध्ययन

→ प्रकृति में वायु, जल, मृदा, पेड़-पौधे तथा जीव जन्तु सभी सम्मिलित रूप से पयविरण की रचना करते है।

→ पयविरण से अभिप्राय हमारे चारो ओर फैले हुये उस वातावरण एवं परिवेश से है जिसमे हम घिरे हुये है।

→ पयविरण (Environment) शब्द दो शब्दो 'Environ' तथा 'Ment' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है घेरना तथा चतुर्दिक अर्थात (चारो ओर से).

अर्थात पयविरण उस आवरण को कहेगें जो सम्पूर्ण पृथ्वी (जलमण्डल, स्थलमण्डल, वायुमण्डल एवं जैवमण्डल) तथा इनके विभिन्न घटको को अपने से ढके हुये है।

पारिस्थितिकी (Ecology) — जीवधारियो तथा उनके पयविरण के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को अध्ययन को पारिस्थतकी (Ecology) कहते है।

→ Ecology शब्द दो ग्रीक शब्दो Oikos (ओइकोस = रहने का स्थान) तथा logos (लोजोस = अध्ययन) के मिलने से बना है।

→ अर्नस्ट हैकल ने 1869 में सर्वप्रथम Oceologie शब्द का प्रयोग किया।

→ Reiter (रीटर) ने 1868 में सर्वप्रथम Ecology शब्द दिया।

पारिस्थितिकी की शाखाएँ —:

1. संख्या पारिस्थितिकी — एक जाति के जीवो के मध्य पारस्परिक क्रियाओ का अध्ययन किया जाता है।
2. बायोम पारिस्थितिकी — किसी क्षेत्र विशेष में समान जलवायु सम्बन्धी दशाओ के अन्तर्गत एक से अधिक जैविक समुदायो के अनुक्रम

की विभिन्न अवस्थाओ में पारस्परिक क्रियाओ तथा अन्तसम्बंधो का अध्ययन किया जाता है।

3. **पारिस्थतिकी तन्त्र पारिस्थातिकी** (Ecosystem Ecology) →

किसी क्षेत्र विशेष में समस्त जीवधारियो तथा पादपो के आपस में तथा उनके भौतिक पर्यावरण के साथ पारस्परिक क्रियाओ तथा सन्तसम्बन्धो का अध्ययन किया जाता है।

4. **समुदाय पारिस्थातिकी** (Community Ecology) →

इसके अन्तर्गत किसी क्षेत्र में पौधो तथा जन्तुओ की विभिन्न प्रजातिओ के जीव समूहो के मध्य पारस्पारिक क्रियाओ तथा परस्परावलम्बन का अध्ययन किया जाता है।

5. **एश्चुअराइन पारिस्थतिकी** (Estuaraine Ecology) →

नदी के मुहाने अर्थात् इसके समुद्र के साथ मिलने वाले क्षेत्र में रहने वाले विभिन्न जीवधारियो का अध्ययन वहाँ के वातावरण के साथ किया जाता है।

6. **संरक्षण पारिस्थतिकी** (Conservation Ecology) →

प्राकृतिक सँसाधनो के उचित प्रयोग तथा प्रबन्धन का अध्ययन किया जाता है। प्राकृतिक सँसाधनो में वन, वन्यजीव, भूमि, जल, प्रकाश, तथा खनिज, आदि आते है।

आयतन के अनुसार वायुमंडल में (तीस मील के अन्दर) विभिन्न गैसों का मिश्रण —

नाइट्रोजन (N_2) = 78.07 %
आक्सीजन (O_2) = 20.93 %
कार्बन डाई आक्साइड (CO_2) = 0.03 %
आर्गन (Ar) = 0.93 %

1. वायुमण्डल में पायी जाने वाली सबसे अधिक मात्रा में गैस = नाइट्रोजन
2. आक्सीजन के अभाव में हम ईंधन नहीं जला सकते हैं। अतः यह अग्नि का मुख्य स्रोत है।
3. आकाश का रंग नीला धूल-कण के कारण ही दिखाई देता है।
4. पृथ्वी के ताप को बनाये रखने के लिये CO_2 और जलवाष्प आवश्यक है।
5. **वायुमण्डल की संरचना** = वायुमण्डल को निम्न परतों में बांटा गया है।

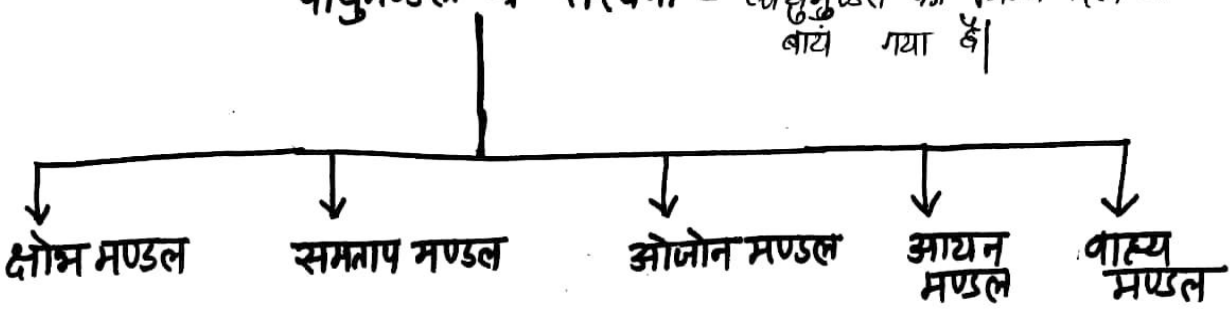

1. क्षोभमण्डल वायुमण्डल की सबसे निचली परत है।
2. सभी मुख्य वायुमण्डलीय घटनायें जैसे- बादल, आँधी, एवं वर्षा इसी मण्डल में होती है।
3. इस मण्डल को संवहन मण्डल कहते हैं क्योंकि संवहन धाराएँ इसी मण्डल की सीमा तक होती है। इस मंडल को अधोमण्डल भी कहते हैं
4. इसकी ऊँचाई ध्रुवों पर 8 km तथा विषुवत रेखा पर लगभग 10 km होती है।

२. समताप मण्डल → (Stratosphere)

1. समताप मण्डल 18-32 km की ऊँचाई तक है।
2. इसमे तापमान समान रहता है इसलिये इस मंडल में वायुयान उड़ाने की आदर्श दशा पायी जाती है।
3. समताप मण्डल की मोटाई ध्रुवों पर सबसे अधिक होती है। धीमी-२ विषुवत रेखा पर इसका लोप हो जाता है।

3. ओजोनमण्डल (Ozonosphere) →

1. धरातल से 32-60 km के मध्य ओजोन मण्डल है।
2. इस मण्डल में ओजोन गैस की एक परत पायी जाती है। जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है इसीलिये इसे पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहते है।
3. ओजोन परत को नष्ट करने वाली गैस CFC (Cholorofloro Carbon) है जो एयर कंडीशनर, रेफ्रीजरेटर आदि से निकलती है।
4. ओजोन परत में क्षरण CFC में उपस्थित सक्रिय क्लोरीन (Cl) के कारण होती है।
5. इस मण्डल में ऊँचाई के साथ-२ तापमान बढ़ता जाता है। प्रति 1 Km की ऊँचाई पर तापमान में 5°C की वृद्धि होती है।

4. आयन मण्डल (Ionosphere) →

1. इसकी ऊँचाई 60-640 Km तक होती है
2. इस मण्डल में सबसे नीचे स्थित D-layer से long radiowaves एवं E1, E2 और F1, F2 परतों से short radiowaves होती है। जिसके फलस्वरूप पृथ्वी पर रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन एवं रडार आदि की सुविधा है। संचार उपग्रह इसी मण्डल में अवस्थित है।

बाह्य मण्डल — 1. 640 km से ऊपर के भाग को बाह्यमण्डल कहते है।
2. इस मण्डल में H_2 एवं He गैस की प्रधानता है।
3. इस मण्डल की महत्वपूर्ण विशेषता इसमे ऑरेरा आस्ट्रालिस एवं ऑरोरा बोरियालिस की होने वाली घटनाएँ है.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

हिन्दी भाषा (मुख्य तथ्य)

⇒ हिन्दी की आदि जननी संस्कृत है।

⇒ संस्कृत, पालि, प्राकृत भाषा से होती हुई अपभ्रंश तक पहुँचती है।

हिन्दी का विकास क्रम :

संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ट → प्राचीन हिन्दी

⇒ 'हिन्दी' शब्द मूलत: फारसी का है न कि हिन्दी भाषा का।

⇒ 'हिन्दी' शब्द के दो अर्थ हैं – 'हिन्द देश के निवासी' और हिन्द की भाषा

⇒ **प्रमुख रचनाकार –**

⇒ खड़ी बोली का प्रारम्भिक रूप सरहपा आदि सिद्धों, गोरखनाथ आदि नाथों, अमीर खुसरो जैसे सूफियों, जयदेव, नामदेव, रामानन्द आदि संतों की रचनाओं में उपलब्ध है।

⇒ **ब्रजभाषा के रचनाकार** – (सूरसागर) सूरदास, रसखान, मीराबाई आदि प्रमुख कृष्णभक्त कवियों ने ब्रजभाषा के साहित्यिक विकास में अमूल्य योगदान दिया है।

⇒ **अवधी** – कुतुबन (मृगावती), जायसी (पद्मावत), मंझन (मधुमालती), उसमान (चित्रावली)।

⇒ राजभाषा एक संवैधानिक शब्द है।

⇒ प्रत्येक वर्ष 14 Sep. को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

- संविधान में भाषा विषयक उपबंध भाग 17 (राजभाषा) के अनु॰ 343 से 351 तक एवं 8 वीं अनुसूची में दिए गए हैं।
- हिन्दी भाषा के मानकीकरण की दृष्टि से द्विवेदी युग सर्वाधिक महत्वपूर्ण युग था।

हिन्दी साहित्य (मुख्य तथ्य)

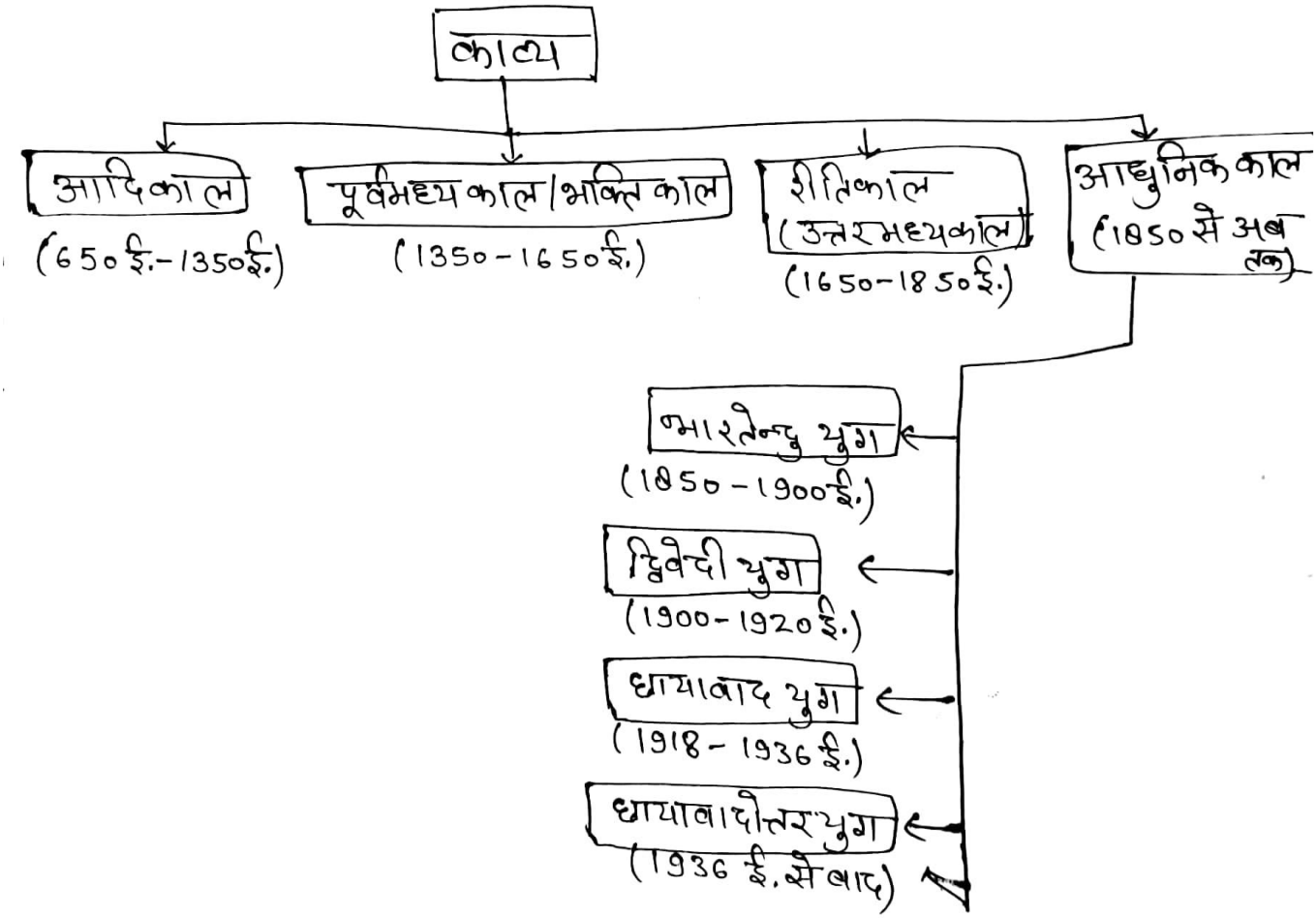

(1) आदिकाल (650 ई. - 1350 ई.)

- हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के नामकरण का प्रथम श्रेय जार्ज ग्रियर्सन को है।
- आदिकाल को ग्रियर्सन ने 'चारण काल', मिश्रबंधु ने 'प्रारंभिक काल', महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'बीजवपन काल', शुक्ल ने 'आदिकाल: वीरगाथाकाल', राकुल सांकृत्यायन ने 'सिद्ध-सामंत काल', राम कुमार वर्मा ने 'संधिकाल', हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'आदिकाल' की संज्ञा दी है।
- इस काल में 'आल्हा' छंद बहुत प्रचलित था। यह वीर रस का बड़ा ही लोकप्रिय छंद था।

⇒ आदिकालीन रचना व रचनाकार—

रचना		रचनाकार
1) खुमान रासो	—	दलपति विजय
2) बीसलदेव रासो	—	नरपति नाल्ह
3) हम्मीर रासो	—	शार्ङ्गधर
4) पृथ्वीराज रासो	—	चन्दबरदाई
5) कीर्तिलता	—	विद्यापति
6) पउमचरिउ	—	स्वयम्भू
7) मृगावती	—	कुतुबन
8) परमाल रासो	—	जगनिक

(2) पूर्व मध्यकाल / भक्तिकाल (1350-1650 ई.)

- भक्तिकाल को 'हिन्दी साहित्य का स्वर्ण काल' कहा जाता है।
- भक्ति काव्य की दो काव्य धाराएँ हैं—

(1) निर्गुण काव्य धारा (2) सगुण काव्य धारा

ज्ञानाश्रयी प्रेमाश्रयी कृष्णाश्रयी रामाश्रयी

भक्तिकालीन रचना व रचनाकार

रचना	रचनाकार
1) साखी	कबीरदास
2) बीजक	कबीरदास
3) पद्मावत	मलिक मुहम्मद जायसी
4) अखरावट	"
5) आखिरी कलाम	"
6) सूरसागर	सूरदास
7) सूरसारावली	"
8) साहित्य लहरी	"
9) श्रीरामचरितमानस	गोस्वामी तुलसीदास
10) विनय पत्रिका	"
11) कवितावली	"
12) गीतावली	"
13) दोहावली	"
14) कृष्ण गीतावली	"
15) रामलला नहछू	"
16) पार्वती मंगल	"
17) जानकी मंगल	"
18) बरवै रामायण	"
19) मधुमालती	मंझन
20) मृगावती	कुतबन
21) रामचन्द्रिका	केशवदास
22) राम आरती	रामानंद
23) प्रेमवाटिका	रसखान
24) दानलीला	"
25) सुदामा चरित	नरोत्तमदास